भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. +953

सोमवार, 8 फरवरी, 2021/19 माघ, 1942 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

त्रिपुरा में पर्यटन क्षेत्र का विकास

+953. श्री रेबती त्रिपुरा:

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) त्रिपुरा राज्य में उपलब्ध पर्यटक स्थलों की संख्या स्थान-वार ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार को राज्य में पर्यटन क्षेत्र के विकास के लिए केन्द्रीय सहायता हेतु त्रिपुरा राज्य सरकार से कोई प्रस्ताव प्राप्त हुआ है;

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) गत तीन वर्षों के दौरान केन्द्रीय वित्तीय सहायता सहित त्रिपुरा में विकसित और सौन्दर्यीकरण किए गए पर्यटन स्थलों के नाम क्या है; और

(ड.) सरकार द्वारा उत्तरपूर्वी क्षेत्र (एन.ई.आर.) में पर्यटन को बढ़ाने के लिए अन्य क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

पर्यटन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) (श्री प्रह्लाद सिंह पटेल)

(क) से (घ): पर्यटक स्थलों की पहचान और विकास मुख्य रूप से राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों की जिम्मेदारी है तथापि पर्यटन मंत्रालय स्वदेश दर्शन तथा तीर्थस्थान जीर्णोद्धार एवं आध्यात्मिक विरासत संवर्धन अभियान (प्रशाद) नामक अपनी योजनाओं के अंतर्गत देश में पर्यटन अवसंरचना के विकास के लिए त्रिपुरा तथा भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र के अन्य राज्यों सहित राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों/केंद्रीय एजेंसियों को वित्तीय सहायता प्रदान करता है । निधियों की उपलब्धता, उपयुक्त विस्तृत परियोजना रिपोर्ट की प्रस्तुति, योजना दिशा निर्देशों के अनुपालन तथा पूर्व में जारी निधियों की उपयोगिता की शर्त आदि पर इन परियोजनाओं को स्वीकृति प्रदान की जाती है ।

इन योजनाओं के अंतर्गत परियोजनाओं की स्वीकृति एक सतत प्रक्रिया है हालांकि स्वदेश दर्शन योजना के तहत नई परियोजनाओं की स्वीकृति वर्तमान में समीक्षाधीन है ।

इन योजनाओं के अंतर्गत स्वीकृत परियोजनाओं और पर्यटन गंतव्यों का विवरण **अनुबंध** में दिया गया है।

(ड.): पर्यटन मंत्रालय पूर्वोत्तर क्षेत्र के समग्र संवर्धन के लिए विभिन्न कार्यकलाप करता है। इन कार्यकलापों में अभियान जारी करना, प्रचार सामग्री तथा टेलीविजन विज्ञापन/फिल्में तैयार करना, भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र के संवर्धन से संबंधित आयोजनों में भागीदारी/सहायता, इस क्षेत्र में पर्यटन के संवर्धन की क्षमता रखने वाले मेलों तथा महोत्सवों और पर्यटन संबंधी समारोहों के आयोजन के लिए राज्य सरकारों को सहायता, पर्यटन मंत्रालय द्वारा आयोजित विभिन्न समारोहों में पूर्वोत्तर क्षेत्र की राज्य सरकारों को भागीदारी का अवसर प्रदान करना शामिल है। इसके अतिरिक्त पर्यटन मंत्रालय घरेलू तथा अंतरराष्ट्रीय बाजारों में पूर्वोत्तर क्षेत्र की पर्यटन क्षमता को दर्शाने और आठ पूर्वोत्तर राज्यों के उद्यमियों को मार्ट में भाग लेने वाले क्रेताओं के साथ मिलकर व्यवसाय करने का अवसर देने के उद्देश्य से किसी एक पूर्वोत्तर राज्य में बारी-बारी से अंतरराष्ट्रीय पर्यटन मार्ट (आईटीएम) का आयोजन करता है।

*****

अनुबंध

त्रिपुरा में पर्यटन क्षेत्र का विकास के संबंध में दिनांक 08.02.2021 के लोक सभा लिखित प्रश्न सं. +953 के भाग (क) से (घ) के उत्तर में **विवरण**

स्वदेश दर्शन एवं प्रशाद योजनाओं के तहत त्रिपुरा में पर्यटन मंत्रालय द्वारा अनुमोदित परियोजनाओं का ब्यौरा

क्र. सं.	**योजना**	**परिपथ/ स्वीकृति वर्ष**	**परियोजना का नाम**	**स्वीकृत राशि (करोड़ रु. में)**
1.	स्वदेश दर्शन	पूर्वोत्तर परिपथ/ 2015-16	पूर्वोत्तर परिपथ का विकास: अगरतला - सिपाहीजला - मेलाघर - उदयपुर - अमरपुर- तीर्थमुख- मंडीघाट- डुमबोर- नारिकेलकुंजा- गंडाचारा- अम्बासा	82.85
2.	स्वदेश दर्शन	पूर्वोत्तर परिपथ/ 2018-19	सूरमाचेरा - उनाकोटी- जम्पुई हिल्स- गुनाबती -भुनानेश्वरी- माताबारी- नीरमहल- बॉक्सानगर- चोट्टाखोला- पिलक- अवंगचारा का विकास	65.00
3.	प्रशाद	2020-21	त्रिपुरा सुंदरी मंदिर, उदयपुर का विकास	37.84

*****